भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी0) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर 2014

समय : 3 घन्टे **प्रश्न पत्र-I** कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य है। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (साधारण ज्योतिष)

1. कर्म सिद्धांत के तीन स्तम्भो की विस्तार से विवेचना करें।
2. ज्योतिष विज्ञान है अथवा कला? चर्चा करें।
3. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये:
   (i) दैवज्ञ वल्लभ--------द्वारा लिखी गई।
   (ii) मन्त्रेश्वर के द्वारा लिखी गई प्रसिद्ध पुस्तक का नाम------है।
   (iii) कुण्डली के--------धर्म भाव हैं।
   (iv) --------ज्योतिष के पंचस्कंध हैं।
   (v) ''शिक्षा''--------में से एक हैं।
   (vi) कुण्डली में--------भाव से विवाह देखा जाता है और संतति को--------भाव से देखते है।
   (vii) --------चार वेदों के नाम हैं।
   (viii) संहिता से ज्योतिष का--------विषय देखते है।
   (ix) जातक पारिजात--------द्वारा लिखी गई।
   (x) --------तीन तरह के शरीर कहे गए हैं।
4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखिए:
   (i) श्रुति और स्मृति (ii) श्रेयस और प्रेयस कर्म (iii) भाग्य व स्वतन्त्र इच्छा शक्ति (iv) ऋणानुबंधन
5. निम्नलिखित के उत्तर लिखिए :
   (i) ज्योतिषी के कोई प्रमुख पांच गुणों को लिखिए।
   (ii) किन्हीं दो तिथि निर्धारण तकनीक के बारे में लिखिए

भाग-II (ज्योतिष से सम्बंधित खगोल शास्त्र)

6. निम्नलिखित को पारिभाषित करें:
   (i) चन्द्र दिन और नक्षत्र दिन
   (ii) सौर मास और चन्द्र मास
   (iii) सौर वर्ष और नक्षत्र वर्ष
   (iv) चन्द्र वर्ष व प्रकाश वर्ष
7. पश्चिम ज्योतिष और भारतीय ज्योतिष में जो प्रमुख भिन्नताएं हैं, उनके बारे में बताएं।
8. उपग्रह किसे कहते हैं? यदि सूर्य के निरायन भोगांश 13 अंश 20 कला है तो धूम पथ,परिधि इन्द्रचाप और सिखि की गणना करें।
9. निम्नलिखित पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखें :-
   (i) चन्द्र सौर वर्ष (ii) धूमकेतु (iii) न्युटेशन (iv) चन्द्र के पात
10. निम्नलिखित के उत्तर दीजिये :-
    (क) सम्पात का अयन क्या है, समझाए।
    (ख) ग्रह किस प्रकार वक्री होते हैं?

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी0) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर 2014

प्रश्न पत्र-II

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य है। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (गणित ज्योतिष)

1. 20 अक्टूबर 2014 को रात्रि 11:15 पर दिल्ली में जन्मे जातक की कुण्डली बनाए व उसमें लग्न व ग्रहों की स्थिति स्पष्ट करें।
2. निम्नलिखित को परिभाषित कीजिये :
   (क) राशि कुण्डली और भाव कुण्डली (ख) राशि कुण्डली व नवांश कुण्डली
   (ग) जन्म राशि और जन्म नक्षत्र (घ) लग्न और दशम भाव
3. (i) सूर्य की नवांश राशि क्या होगी यदि वह वृष 3:50अंश में स्थित है?
   (ii) चन्द्रमा की द्रेष्कोण राशि क्या होगी यदि वह वृचिश्क 19:10अंश में स्थित है?
   (iii) वर्गोत्तम शनि का नक्षत्र पद क्या होगा यदि वह उच्च राशि में स्थित है?
   (iv) सूर्य मेष में 6:32अंश पर हो, चन्द्रमा कन्या में 28:20अंश में हो, तब कौनसी तिथि होगी?
   (v) ऊपर वाले प्रश्न के अनुसार कौनसा पक्ष होगा?
   (vi) यदि सूर्य 10रा 3:23अंश और चन्द्रमा का 3रा 4:16अंश है, तब कौनसा योग होगा?
   (vii) जातक की कुण्डली में यदि सूर्य सप्तम भाव में हो, ऐसे में जातक का जन्म दिन के किस समय में हुआ होगा?
   (viii) यदि सूर्य कुम्भ में हो तो कौनसा अयन (उत्तरायण, दक्षिणायन) होगा?
   (ix) बृहस्पति यदि 148 अंश का हो तब वह किस राशि में व कितने अंश का होगा?
   (x) पूरे राशि चक्र में कतने नवांश होंगे?
4. निम्नलिखित के उत्तर दी गई कुण्डली के आधार पर दें :-
   लग्न-कर्क 10:15, सूर्य-मेष 16:59, चन्द्र:सिंह 12:33 मंगल-वृष 20:30
   बुध-मेष 26:20, गुरू-मिथुन 29:89, शुक्र:मीन 14:50, शनि(व)-तुला 25:20
   राहु-धनु 5:50, (1.5.1955, 12:00, मुम्बई)
   (क) लग्न, राहु-केतू सहित सभी ग्रहों के नक्षत्रपद बताएं।
   (ख) नवांश और दशमांश बनाए।
5. जन्म की विंशोत्तरी भोग्य दशा निकालने की क्या प्रणाली है? प्रश्न 4 के आधार पर सभी महादशाओं की गणना करें।

भाग-II (फलित ज्योतिष)

6. निम्नलिखित के उत्तर दीजिये :
   (क) द्वितीय और सप्तम भाव को मारक क्यों कहते हैं?
   (ख) योग कारक ग्रह से क्या अभिप्राय है?
   (ग) तीन मोक्ष भाव क्या दर्शाते हैं?
   (घ) चन्द्र कुण्डली क्या होती है और इसकी क्या उपयोगिता है?
7. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए:
   (क) दु:स्थान (ख) त्रिषदाय भाव (ग) योगकारक (घ) लक्ष्मी नारायण रोग
8. निम्नलिखित के पांच-पांच कारकत्व बताएं :-
   (क) लग्न (ख) बृहस्पति (ग) मंगल (घ) दशम भाव (च) तुला
9. उदाहरण के द्वारा नीच भंग राजयोग विस्तार से समझाए।
10. तुला और वृश्चिक लग्न के लिए शुभ व अशुभ ग्रह कारण सहित बताए।

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी0) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर 2014

प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घन्टे कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य है। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (ज्योतिष योग)

1. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए :-
   (क) ज्योतिष में योग से क्या तात्पर्य है? कुण्डली की विवेचना में इसके उपयोग को विस्तार से समझाए।
   (ख) उदाहरण के द्वारा महाभाग्य योग को विस्तार से समझाए।
2. (क) लग्न, सूर्य और चन्द्रमा की महत्ता को कुण्डली विवेचना में विस्तार से समझाए।
   (ख) सूर्य और चन्द्रमा के आधार पर कौन कौन से योग बनते हैं?
3. निम्नलिखित कुण्डली के आधार पर किन्हीं चार योगों को बताए एवम् उनके परिणामों को भी विस्तार से बताएं।
   लग्न-कर्क 10:15, सूर्य-मेष 16:59, चन्द्रमा-सिंह 12:33, मंगल-वृष 20:30, बुध-मेष 26:20, बृहस्पति-मिथुन 29:49, शुक्र-मीन 14:50, शनि(व)-तुला 25:20 राहु-धनु 5:55 (1.5.1955, दोपहर 12:00 बजे, मुंबई)
4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त में उत्तर दीजिये :
   (क) वक्री ग्रह (ख) भावात् भावम् (ग) भाव मध्य (घ) अस्त ग्रह
5. आर्थिक स्थिति और वैवाहिक सुख के लिए किन भावों को ध्यान मे रखा जाएगा? प्रश्न संख्या 3 के आधार पर अपना विचार बताएं।

भाग-II (दशा व गोचर)

6. महादशा के परिणामों को समझने हेतु किन सामान्य नियमों को ध्यान में रखना चाहिए?
7. 2 नवम्बर 2014 को जब शनि का गोचर वृश्चिक राशि में हुआ, तब चन्द्रमा कुम्भ में था। शनि का मेष, वृष, मिथुन और कर्क जन्म राशि के मूर्ति निर्णय पर विवेचना करें।
8. निम्नलिखित के उत्तर दीजिये :
   (क) प्रश्न 3 के आधार पर चन्द्रमा की महादशा के परिणाम पर चर्चा करें।
   (ख) प्रश्न 3 की कुण्डली के आधार पर शनि के सिंह में गोचर के परिणामों पर चर्चा करें।
9. निम्नलिखित के उत्तर दें :
   (क) योगिनी महादशा की गणना प्रणाली पर विस्तार से टिप्पणी करें।
   (ख) बाह्य ग्रहों और राहु के जन्म राशि से कौन से शुभ अथवा अशुभ स्थान होंगे?
10. निम्नलिखित के उत्तर दें :
   (क) बृहस्पति की महादशा में सभी ग्रहों की अन्तर्दशा आने पर क्या-क्या सामान्य परिणाम होंगे? विस्तार से समझाए।
   (ख) बृहस्पति के पर्याय फल पर विवेचना करें ।

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी0) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून, 2014

प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घन्टे कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य है। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (ताजिक शास्त्र)

1. वर्ष 2014 के लिए 1 मई 1955, रविवार को दोपहर 12 बजे मुंबई (72पू 50, 18उ58) में जन्मे जातक के लिए वर्ष कुण्डली बनाए।
2. ताजिक में प्रमुख योगों को समझाए।
   क्या प्रश्न 5 में दी गई वार्षिक कुण्डली में प्रमुख शुभ योग बताए।
3. सही अथवा गलत बताए :
   i) प्रश्न शास्त्र में ताजिक का बेहतरीन उपयोग होता है।
   ii) खल्लर योग कम्बूल योग को नष्ट कर देता है।
   iii) ताजिक में, ग्रहों के मध्य में प्राकृतिक शत्रुता अथवा मित्रता नहीं देखी जाती है।
   iv) दो वक्री ग्रह यदि दीप्तांश में हो तो इत्थसाल योग बना सकते हैं?
   v) यदि ग्रह अपनी ह्रदय मे हो तो इस स्वराशि के समान समझते हैं।
   vi) बन्धन सहम से अस्पताल में भर्ती का पता चलता है।
   vii) बुध व सूर्य एक राशि में 20 अंश की दूरी पर एक दूसरे पर प्रभाव डालते हैं।
   viii) बुध को ताजिक में सम ग्रह मानते है।
   ix) पंचाधिकारियों मे से वर्षेश चुनने के लिए हर्ष बल का प्रयोग होता है।
   x) ताजिक में पुल्लिंग व स्त्री लिंग भाव होते हैं।
4. सहम किसे कहते हैं? वार्षिक कुण्डली में इसकी क्या उपयोगिता है? प्रश्न 5 के आधार पर पुण्य सहम, मृत्यु सहम और शत्रु सहम की गणना करें।
5. ताजिक कुण्डली के आधार पर विवाह में उपयोग होने वाले योग बताए। निम्नलिखित वार्षिक कुण्डली के आधार पर पुष्टि करें:
   लग्न-वृष 19:59, सूर्य-मिथुन 3:39, चन्द्रमा-कुम्भ 23:02, मंगल-कन्या 20:07, बुध(व)-मिथुन 5:10, बृहस्पति-कन्या 0:04, शुक्र-वृष 0:37, शनि(व)-तुला 23:28 राहु-तुला 1:21 (जन्म : 18 जून 1970, 21:52, 28एन39, 77ई13, मुन्था कन्या में)

भाग-II (मुहूर्त)

6. विवाह मुहूर्त के चयन में उपयोग होने वाले विशेष योग बताएँ।
7. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए:
   (क) षोडश संस्कार क्या है?
   (ख) मुहूर्त में लग्न की क्या उपयोगिता है?
8. तिथि एवं वार और वार एवं नक्षत्र के संयोग से कौन कौन से शुभ और अशुभ योग बनते हैं?
9. निम्नलिखित के लिए संक्षिप्त पर टिप्पणी लिखिए:
   (क) संक्रांति (ख) रिक्त तिथि (ग) विष्टि करण (घ) मृत्यु पंचक
10. तिथि और नक्षत्र के वर्गीकरण पर टिप्पणी लिखें ।